दिल का दूरी से कोई वास्ता नही होता
जो ख़ास रहते है वो पास ही रहते है

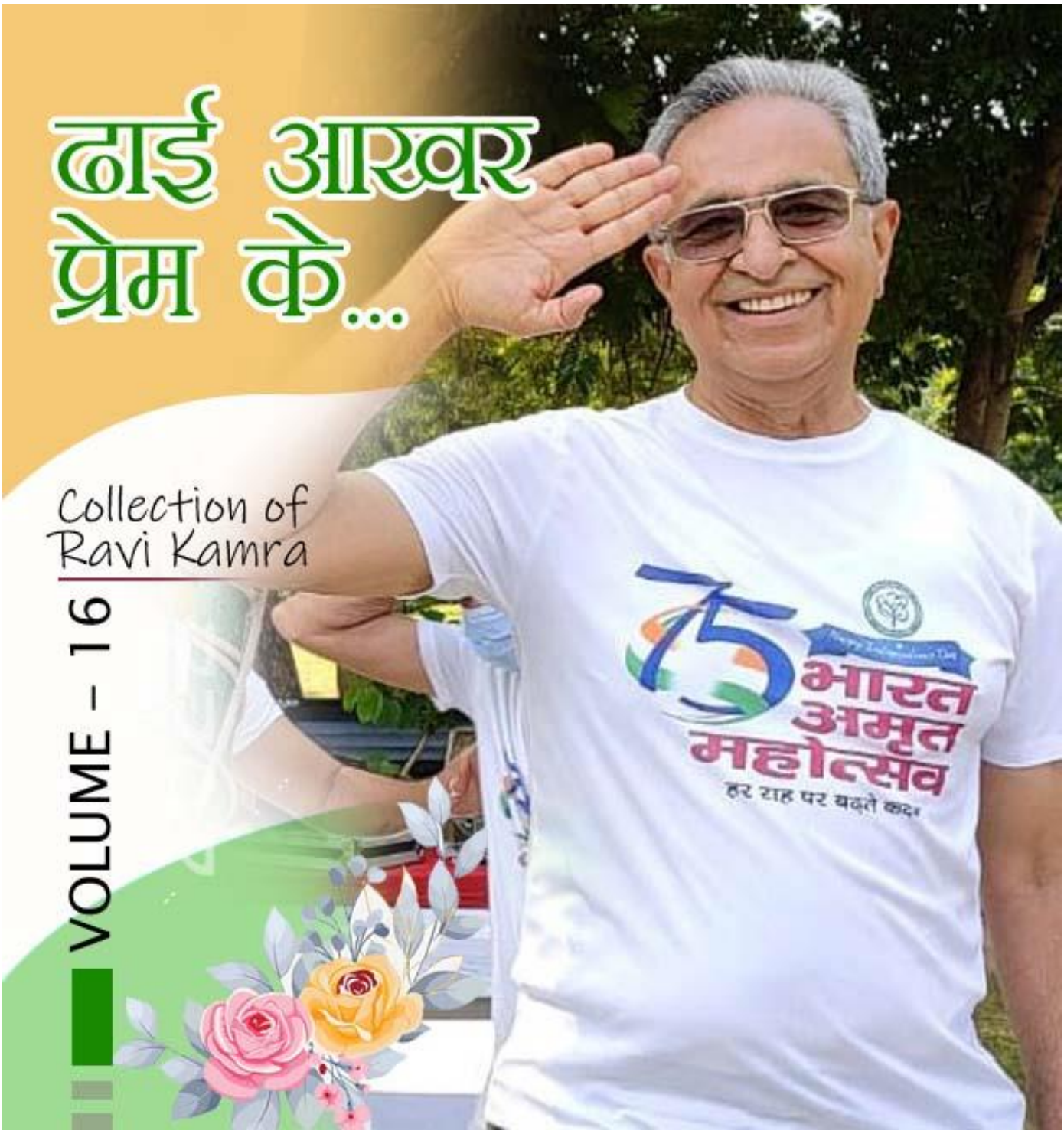

- चढ़ते सूरज के पुजारी तो लाखों हैं 'फ़राज़'
  डूबते वक्त हमने सूरज को भी तन्हा देखा
  - अहमद फ़राज़

- तेरा दूर से दीदार करना भी इबादत है,
  तेरे दर पर सर झुकाना भी इबादत है,
  ना पोथी, ना मत्रं, ना माला ना सजदा,
  तुझे हर पल याद करना भी इबादत है

- जब होते हो साथ में तुम तो,
  मुझमें दुनिया भर होती है।

- मुझे उदास कर गए हो
  खुश रहो..
  मेरे मिजाज पर गए हो
  खुश रहो..
  मेरे लिए न रुक सके
  तो क्या हुआ..
  जहां कही ठहर गए हो खुश रहो..

- कर्मो की स्याही , दिखती भी नही है
  तो मिटती भी नही है

- आप ने झूठा वादा कर के
  आज हमारी उम्र बढ़ा दी

Kaif Bhopali

- नज़दीकियों में दूर का मंज़र तलाश कर
  जो हाथ में नहीं है वो पत्थर तलाश कर।

- सूरज के इर्द-गिर्द भटकने से फ़ाएदा
  दरिया हुआ है गुम तो समुंदर तलाश कर।

- कोशिश भी कर उमीद भी रख रास्ता भी चुन
  फिर इस के बा'द थोड़ा मुक़द्दर तलाश कर।
  निदा फ़ाज़ली

- मनुष्य को चाहिए
  कि वह परिस्थितियों से लड़े,
  एक स्वप्न टूटे, तो दूसरा गढ़े।
  - अटल बिहारी वाजपेयी

- तुम्हारे दिल की चुभन भी जरुर कम होगी
  किसी के पाँव का काँटा निकाल कर देखो
  - कुंवर बेचैन

- मैंने दीवार पे क्या लिख दिया ख़ुदको इक दिन

बारिशें होने लगीं मुझको मिटाने के लिए
- शकील आज़मी

- मरना लगा रहेगा यहाँ जी तो लीजिए,
  ऐसा भी क्या परहेज़, ज़रा-सी तो लीजिए
  - दुष्यंत कुमार

- हम हार्डवेयर थे, हार्डवेयर ही रह गए
  तुम सॉफ्टवेयर थी, अपडेट होती रही

- दिल का दूरी से कोई वास्ता नही होता
  जो ख़ास रहते है वो पास ही रहते है

- मुस्कुराना कौन सा मुश्किल है
  बस तुम्हें याद ही तो करना है.

- खतों से मीलों सफर करते थे जज़्बात कभी.....
  अब घंटों बातें करके भी दिल नहीं मिलते...!
- प्यार का पहला खत लिखने में वक्त तो लगता है।
  नये परिदों को उडने में वक्त तो लगता है।

- जिस्म की बात नहीं थी उनके दिल तक जाना था
  लम्बी दूरी तय करने में वक्त तो लगता है।

- "आंखे कितनी भी छोटी क्यो ना हो !!

ताकत तो उसमे सारा आसमान देखने
की होती है !!

- 🌹 ज़िन्दगी एक हसीन ख़्वाब है ,,,,,
  जिसमें जीने की चाहत होनी चाहिये,
  ग़म खुद ही ख़ुशी में बदल जायेंगे,.,,
  सिर्फ मुस्कुराने की आदत होनी चाहिए

- सरफ़रोशों का इक कारवाँ चाहिए
  हमको क़दमों तले आसमाँ चाहिए

- आइये दिल मिला के सफ़र को चलें
  हौसलों की नई दास्ताँ चाहिए

- आग सीने में कब तक सुलगती रहे
  अब तो जज़्बात को भी ज़ुबाँ चाहिए

- सींच दे जो लहू से चमन प्यार का
  अपने गुलशन को वो बागवां चाहिए

✓ दिल से जो बात निकलती है असर रखती है
पर रहीं, ताक़त-ए-परवाज़ मगर रखती है
इक़बाल

बहुत सी मंज़िले भी रास्ता चलने नहीं देतीं
बहुत से ख़्वाब का आँखों में भर जाना नहीं अच्छा
आज़म आज़मी

न कोई ख़्वाब ,न कोई ख़लिश ,न कोई ख़ुमार
ये आदमी तो अधूरा दिखाई देता है
जाँ निसार अखतर

- हीरे मोतियों की सौगातें किसी और को देना यारा.....
  हमें तो तेरी मुहब्बत के बंधन ही अच्छे लगते
  हैं.....!!

- उम्र का संदूक पुराना होता गया,,
  हसरतों की ओढ़नी नई ही रही...😊

- नादान से भी दोस्ती कीजिए ज़नाब ,
  क्यों कि ,
  मुसीबत के वक़्त कोई भी समझदार साथ नही देता

- धीरज रख वो रहमत की बरखा बरसा भी देगा
  जिस मालिक ने दर्द दिया है वही दवा भी देगा

- तुम्हें प्यार करना नहीं आता
  मुझे प्यार के इलावा कुछ नहीं आता

जिदंगी जीने के दो ही तरीक़े हैं
इक तुम्हें नहीं आता इक मुझे नहीं आता

- अभी तो चन्द लफ़्ज़ों में समेटा है तुम्हें मैंने
  अभी मेरी किताबों में तेरी तफ़सील बाक़ी है

- प्यार का नशा है ...साहिब ...
  प्यार से ही उतरेगा .....!!

- अगर किसी दिन तुम्हारा किसी से बात करने का मन न हो तो मुझे बुलाना। मैं बिना कुछ बोले तुम्हारे पास रहूँगा।

- तेरी यादें भी हैं, तेरा ख्याल भी,
  कुछ अपनी फितरत है, कुछ तेरा कमाल भी..!!

- मेरा ख्याल है यह, हकीकत सी हो जाना तुम,
  अपनी खुशबू से मेरे घर को महकाना तुम,
  फूल पलाश के चुन लाना तुम.

- मौसम बसंत का जब भी आएगा,
  अपने आँगन में खुशबू लाएगा,
  चह चहाती चिडिया सी गाना तुम,
  दूर गगन में कहीं उड़ जाना तुम,
  फूल पलाश के चुन लाना तुम.

- जब भी हो जाये उदास मन मेरा,
  मीठी सी बातों को होठों पे रख लाना तुम.
  फूल पलाश के चुन लाना तुम.

- तुम बस पूछ लेते मेरा मिजाज।
  कितना आसान था मेरा इलाज।।

- आदत हो तो बदलूं भी,,
  इबादत हो गयी हो तुम..

- कभी किसी के जज्बातों का मजाक ना बनाना....
  ना जाने कौन सा दर्द लेकर कोई जी रहा होगा..

- जिनकी ऑखें बात बात में
  भीग जाती है..!!
  वो कमजोर नहीं होते बल्कि
  दिल से सच्चे होते हैं..!!

- ये आईने तुझे तेरी खबर क्या देंगे फ़राज,
  आ देख मेरी आँखों में के तू कितना हसीन है।

- संवरती है वो आइना देख कर,

संवर जाए तो आइना देखता है.

- "तुझे ख़्वाबों में अक्सर लोग मुझसे छीन लेते हैं
  तुझे वास्ता मुहब्बत का मुझे सोने ना दिया कर"

- "मेरी आँखों का तेरी यादों से
  कोई ताल्लुक़ तो है
  तसवुर में जब भी आते हो
  तो चेहरा खिल सा जाता है"

- सोचा नहीं अच्छा बुरा देखा सुना कुछ भी नहीं
  मांगा खुदा से रात दिन तेरे सिवा कुछ भी नहीं

- याद वो नही जो तनहाई .....
  में आये
  याद वो है
  जो महफिल में आये
  और
  तनहा कर जाये...!!!

✓ देखा तुझे सोचा तुझे चाहा तुझे पूजा तुझे
  मेरी ख़ता मेरी वफ़ा तेरी ख़ता कुछ भी नहीं

- जिस पर हमारी आँख ने मोती बिछाये रात भर
  भेजा वही काग़ज़ उसे हमने लिखा कुछ भी नहीं

- इक शाम की दहलीज़ पर बैठे रहे वो देर तक
  आँखों से की बातें बहुत मुँह से कहा कुछ भी नहीं

- अहसास की ख़ुश्बू कहाँ आवाज़ के जुगनू कहाँ
  ख़ामोश यादों के सिवा घर में रहा कुछ भी नहीं

- अगर तुम्हें यकीं नहीं, तो कहने को कुछ नहीं मेरे पास,
  अगर तुम्हें यकीं है , तो मुझे कुछ कहने की जरूरत नही...!!

- हमसे मत पूछ की क्यों आँखे झुका ली हमने,
  तेरी तस्वीर थी इन आँखों में वहीँ तुझसे छुपा ली हमने...

- जिंदगी में कुछ ऐसे लोग भी मिलते हैं,
  जिन्हें हम पा नही सकते सिर्फ चाह सकते हैं।

- इतने हिस्सों में बट गया हूँ मैं,
  मेरे हिस्से में कुछ बचा ही नहीं

- जड़ दो चांदी में चाहे सोने में,
  आईना झूठ बोलता ही नहीं।

- अपनी रचनाओं में वो ज़िन्दा है
  नूर’ संसार से गया ही नहीं।

- आपकी गर्दन पर लिपटी
  आपके बच्चों की बाहों से कीमती ,
  जेवर आप कभी नहीं पा सकते..!!!

- तेरे इश्क से मिली है मेरे वजूद को ये शौहरत ,
  मेरा ज़िक्र ही कहाँ था तेरी दास्ताँ से पहले।

- क़ैदखाने हैं, बिना सलाखों के
  कुछ इस तरह चर्चे हैं, तेरी आँखों के

- परवाना हूँ क्या फ़र्क़ पड़ता है
  दिया मंदिर का हो या मस्जिद का हो

- बरसात में तालाब हो जाते हैं बे-अदब
  बाहर कभी आपे से समंदर नहीं होता

- अब इतर भी मलों तो मोहब्बत की बू नहीं
  वो दिन हवा हुऐ कि पसीना गुलाब था

- साथ थे तो एक लफ्ज ना निकला लबों से मेरे..!!
  दूर क्या हुये कलम ने कहर मचा दिया..!!✒️💔

- बचपन में चोट पे वो मां की हल्की हल्की फूँक और कहना की बस
  अभी ठीक हो जायेगा💫
  वाकई कोई मरहम वैसा अब तक नही बना....💕

- शोर लिख जा मेरे वीरानों पर
  ठहरे पानी में यूँ हलचल कर दे
  सारी दुनिया से खफा हो जाऊँ
  अपने चाहत में यूँ पागल कर दे

- जो कहे
  मेरे पास समय नहीं
  असल में वह व्यस्त नहीं,
  अस्त-व्यस्त है!!!
- दिल साफ़ करके मुलाक़ात की आदत डालो,
  धूल हटती है..
  ...तो आईने भी चमक उठते हैं..."

- खुदा का शुक्र है कि ख्वाब बना दिये..
  वरना तुम्हें देखने की तो बस.....

हसरत ही रह जाती

- मुझे नींद की इजाज़त भी
  उसकी यादों से लेनी पड़ती है;

- कितना मुश्किल सवाल पूछा है . . .
  आज उसने मेरा हाल पूछा है . . . !

- तावीज होते है कुछ लोग;
  गले मिलते ही सुकून मिलता है..

- अल्फ़ाज तो रोज़ पढ़ते हो मेरी शायरी में..!!
  यूं करो, आज बस एहसास पढ़ लो....!!!!

- विछड़े हुए हमें ज़माना गुज़र गया,
  अब तो मिलने की सूरत बनाइये।

- "गंध तुम्हारी थी मैं तो बस बनकर सुमन चुरा लाया था,
  रूप तुम्हारा था मैंने तो केवल दर्पण दिखलाया था ।"
- 🌺नीरज🌺🙏

- मेरी कलम का मज़हब
  ना पता लगा मुझे
  कभी सजदा लिख दिया
  खुदा के नाम 1
  कभी शब्दों मे

उतर आए राम.....

- उस शख्स से रिश्ता सिर्फ एक है, 'फ़राज़'
  परेशान अगर वो हो, तो नींद मुझे भी नहीं आती

- अजीब जुल्म करती है तेरी ये यादें..
  सोचू तो "बिखर" जाऊ..ना सोचू तो "किधर" जाऊ !..

- जो कहा नही वो सुना करो
  जो सुना नही वो कहा करो

- जरा सी रंजिश पर, ना छोड़ किसी अपने का दामन,
  जिंदगी बीत जाती है, अपनों को अपना बनाने में...!

- शाम को जब खाली हाथ घर मैं जाता हूँ
  बच्चे हँस देते है और मैं मर जाता हूँ

- वो अपने वक़्त के नशे में ख़ुशियाँ छीन लें तुझमें
  मगर जब तुम हसीं बाटंो तो उसको भूल मत जाना

- अपने साये से भी ज्यादा तुझ पर यकीन है ऐ दोस्त
  अंधेरे में तुम तो मिल जाते हो, पर साया नहीं मिलता

- परेशानी में कोई सलाह मांगे
  तो सलाह के साथ

अपना साथ भी देना क्योकि
सलाह गलत हो सकती साथ नहीं

- उल्फत ए यार में.....ख़ुदा से क्या माँगू,
  खुदा तुम्हे ख़ुशी दे और मुझे फ़क़त तेरा साथ

- इतना आसान नहीं है, जीवन का हर किरदार निभा पाना,
  इंसान को बिखरना पड़ता है, रिश्तों को समेटने के लिए।

- "जब से परीक्षा वाली जिंदगी पूरी हुई है,
  तब से "जिंदगी की परीक्षा शुरु हो गई है..

- पाँव सूखे हुए पत्तों पे
  अदब से रखना,
  धूप में माँगी थी तुमने
  पनाह इनसे कभी।

- जब भी हो थोड़ी फुरसत , मन की बात कह दीजिये .....
  बहुत ख़ामोश रिश्ते , ज़्यादा दिनों तक ज़िंदा नहीं रहते ...!!

- पत्थर तब तक सलामत है जब तक वो पर्वत से जुड़ा है.
  पत्ता तब तक सलामत है जब तक वो पेड़ से जुड़ा है.
  इंसान तब तक सलामत है जब तक वो परिवार से जुड़ा है.
  क्योंकि,

परिवार से अलग होकर आज़ादी तो मिल जाती है लेकिन संस्कार च ले जाते हैं.

- दुआ तो जाने कौन-सी थी
  ज़ह्न में नहीं
  बस इतना याद है
  कि दो हथेलियाँ मिली हुई थीं
  जिनमें एक मेरी थी
  और इक तुम्हारी-----परवीन शाकिर

- ख़ुदा हम को ऐसी ख़ुदाई न दे
  कि अपने सिवा कुछ दिखाई न दे

- जंगल-जंगल ढूँढ रहा हैं
  मृग अपनी कस्तूरी को,

- कितना मुश्किल हैं तय करना
  खुद से खुद की दूरी को..!!

- मन में है जो साफ साफ कह दो..
  "फैसला" "फासले" से बेहतर होता है..!!

- छोटे थे, हर बात
  भूल जाया करते थे -
  दुनिया कहती थी कि,
  'याद करना सीखो'
  बड़े हुए तो हर बात
  याद रहती है,
  दुनिया कहती है कि -
  'भूलना सीखो':....

- काश किसी खूबसूरत मौसम में...
  मेरी आँखों पे वो अपना हाथ रख दे..
  और हँसते हुए कह दे...
  पहचान लो तो हम तुम्हारे...
  ना पहचानो तो तुम हमारे..!! 🌻

- "रिश्ता" दिल से होना चाहिए, शब्दों से नहीं,
  "नाराजगी" शब्दों में होनी चाहिए दिल में नहीं!

- 🐾 जीना सरल है,
  प्यार करना सरल है,
  हारना और जीतना भी सरल है,
  तो फिर "कठिन" क्या है?

"सरल" होना !! 🐾

- आवारा" इतना हूँ की हर किसी से मिल लेता हूँ
  "दीवाना" इतना हूँ तेरा की,, किसी और की ख़्वाहिश नही करता

- हर बार सुलझा कर रखता हूँ
  फिर भी उलझी हुई मिलती है
  ज़िन्दगी

- अगर मुनासिब समझो तो बस इतना बता दो
  आज दिल बहुत उदास है, तुम परेशान तो नहीं हो

- अजीब नींद मेरे नसीब में लिखी है ,
  पलकें बंद होती हैं तो दिल जाग जाता है !!

- पूछने से पहले ही सुलझ जाती हैं सवालों की गुत्थियां,
  कुछ आँखें इतनी हाज़िर जवाब होती हैं...!!

- जिसे निसबते ख़ास हो तेरी याद से
  तेरे आने से तेरा ख़याल बेहतर है

- आज कुछ नही है,
  मेरे शब्दों के गुलदस्ते में...
  कभी-कभी, मेरी ख़ामोशियाँ भी पढ़ लिया करो...!!!

- पर्दा तो होश वालों से किया जाता है ,

बेनकाब चले आओ हम तो नशे में है..!!

- तुझे छोड दूं तुझे भूल जाँऊ,
  कैसी बातें करते हो....
  सूरत तो फिर भी सूरत है..
  मुझे तो तेरे नाम के लोग भी
  अच्छे लगते है...!

- याद आते हैं तो कुछ भी नहीं करने देते
  अच्छे लोगों की यही बात बुरी लगती है

- बंद खिड़कियाँ

सबके जीवन में होती है ऐसी खिड़कियाँ
जिन्हें वो बंद ही रखना चाहते हैं,
चाहे मन, बेमन,परिस्थितीवश
या अपनों के ख़ातिर..
कोई नहीं चाहता है कि उसमे कोई झांके,
अगर वो खुल गई तो बहती बयार
सब राज़ खोल देगी..
किसी का अतीत जो उनके आज और भविष्य
के लिए प्रश्नचिन्ह न बन जाए..

क्योंकि प्रश्नों का चिन्हित होना ही
शंका को जन्म देता है और
शंका का कोई समाधान नहीं होता,

बस दूरियाँ ला देता है..

इसलिए "मौन" वो पट है बंद खिड़की का
जिसको न प्रश्न की ज़रूरत है न उत्तर की.
अतः जो खिड़की बंद है,
उसे बंद ही रहने दें..

क्योंकि आज को जीने के लिए कल की बंद
खिड़कियां ही जीवन को
"सीख" की रोशनी देतीं हैं
कुछ अच्छी,कुछ प्रेरणादायक,
कुछ प्रिय,तो कुछ अप्रिय..
उन बारीक दरारों से,
भले ही गरमाहट कम हो,
पर छोटी सी किरण ही आशान्वित कर देती है
आज अच्छा है,कल की उम्मीद लिए.

क्योंकि मन यह जानता है कि
की कुछ तो अच्छा था
उन बंद खिड़कियों में..
और यह एहसास ही काफी है,

क्योंकि उनमें कुछ हँसी,मुस्कराहट
कुछ दुखों का साझा करना,
और कुछ खुशियाँ,प्यार से
गाल पे वो चपत,या कंधे पे
अपनों का विश्वास का हाथ..

ये भी सब तो बंद हैं,
उनकी, हमारी..
अपनों के साथ बिताए गए
मधुर पलों की तिजोरी ..

प्रेम को झरते हुए देखा है कभी
हाँ ...
एक बार
जब मेरी एक ख़्वाहिश को तुम पूरा नहीं करना चाहते थे
एक रोष के रूप में झरा था तुम्हारे चेहरे पर
और जब मेरी खुशी मैं खुश होते हो
तो होठों से झरता है
मुस्कुराहट के रूप में
मुझे देख कर , मेरे साथ बिताए हुए लम्हों के बीच
जब वो भाव हृदय से छलकता है
तो चेहरे की चमक से झरता है ...
प्रेम को मैनें अक्सर चुपचाप
झरते हुए देखा है । © अंशु हर्ष